तुलसी चालीसा

॥ दोहा ॥

श्री तुलसी महारानी,

करूँ विनय सिरनाय।

जो मम हो संकट विकट,

दीजै मात नशाय॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

॥ चौपाई॥

नमो नमो तुलसी महारानी,

महिमा अमित न जाय बखानी।

दियो विष्णु तुमको सनमाना,

जग में छायो सुयश महाना।

विष्णुप्रिया जय जयतिभवानि,

तिहूं लोक की हो सुखखानी।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

भगवत पूजा कर जो कोई,

बिना तुम्हारे सफल न होई।

जिन घर तव नहिं होय निवासा,

उस पर करहिं विष्णु नहिं बासा।

करे सदा जो तव नित सुमिरन,

तेहिके काज होय सब पूरन।

हिन्दीपथ.कॉम

कातिक मास महात्म तुम्हारा,

ताको जानत सब संसारा।

तव पूजन जो करैं कुंवारी,

पावै सुन्दर वर सुकुमारी।

कर जो पूजा नितप्रति नारी,

सुख सम्पत्ति से होय सुखारी।

वृद्धा नारी करै जो पूजन,

मिले भक्ति होवै पुलकित मन।

श्रद्धा से पूजै जो कोई,

भवनिधि से तर जावै सोई।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

कथा भागवत यज्ञ करावै,

तुम बिन नहीं सफलता पावै।

छायो तब प्रताप जगभारी,

ध्यावत तुमहिं सकल चितधारी

तुम्हीं मात यंत्रन तंत्रन में,

सकल काज सिधि होवै क्षण में।

औषधिरूप आप हो माता,

सब जग में तव यश विख्याता।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

देव रिषी मुनि औ तपधारी,

करत सदा तव जय जयकारी।

वेद पुरानन तव यश गाया,

महिमा अगम पार नहिं पाया।

नमो नमो जै जै सुखकारनि,

नमो नमो जै दुखनिवारनि।

नमो नमो सुखसम्मति देनी

नमो नमो अघ काटन छेनी।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

नमो नमो भक्तन दुःख हरनी,

नमो नमो दुष्टन मद छेनी।

नमो नमो भव पार उतारनि,

नमो नमो परलोक सुधारनि।

नमो नमो निज भक्त उबारनि,

नमो नमो जन काज संवारे ।

नमो नमो जय कुमति नशावनि,

नमो नमो सब सुख उपजावनि।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

जयति जयति जय तुलसी माता,

ध्याऊँ तुमको शीश नवाई।

निजजन जानि मोहि अपनाओ,

बिगड़े कारज आप बनाओ।

करू विनय मैं मात तुम्हारी,

पूरण आशा करहु हमारी।

हिन्दीपथ.कॉम

शरण चरण कर जोरि मनाऊँ,

निशदिन तेरे ही गुण गाऊँ।

करहु मात यह अब मोपर दाया,

निर्मल होय सकल ममकाया।

मांगू मात यह बर दीजै,

सकल मनोरथ पूर्ण कीजै।

जानू नहीं कुछ नेम अचारा,

छमहु मात अपराध हमारा।

हिन्दीपथ.कॉम

बारह मास करै जो पूजा,

ता सम जग में और न दूजा।

प्रथमहि गंगाजल मंगवावे,

फिर सुन्दर स्नान करावे।

चन्दन अक्षत पुष्प चढ़ावे,

धूप दीप नैवेद्य लगावे।

करे आचमन गंगा जल से,

ध्यान करे हृदय निर्मल से।

पाठ करे फिर चालीसा की,

अस्तुति करे मात तुलसाकी।

हिन्दीपथ.कॉम

यह विधि पूजा करे हमेशा,

ताके तन नहिं रहै क्लेशा।

करै मास कार्तिक का साधन,

सोवे नित पवित्र सिध हुई जाहीं।

है यह कथा महासुखदाई,

पढ़ै सुने सो भव तर जाई।

हिन्दीपथ.कॉम

॥ दोहा॥

यह श्री तुलसी चालीसा

पाठ करे जो कोय।

गोविन्द सो फल पावही

जो मन इच्छा होय॥

हिन्दीपथ.कॉम

अन्य चालीसा पढ़े

- हनुमान चालीसा
- शिव चालीसा
- दुर्गा चालीसा
- शनि चालीसा
- गणेश चालीसा
- लक्ष्मी चालीसा
- राम चालीसा
- विष्णु चालीसा
- गायत्री चालीसा
- काली चालीसा
- भैरव चालीसा
- सरस्वती चालीसा
- कृष्ण चालीसा
- सूर्य चालीसा
- महावीर चालीसा
- साईं चालीसा
- महाकाली चालीसा
- तुलसी चालीसा
- बगलामुखी चालीसा
- गोरख चालीसा
- गोपाल चालीसा
- नवग्रह चालीसा
- रविदास चालीसा
- बाला जी चालीसा
- महालक्ष्मी चालीसा
- पार्वती चालीसा

- खाटू श्याम चालीसा
- रामदेव चालीसा
- राधा चालीसा
- विश्वकर्मा चालीसा
- पितर चालीसा
- बटुक भैरव चालीसा
- जाहरवीर चालीसा
- गिरिराज चालीसा
- नर्मदा चालीसा
- प्रेतराज चालीसा
- संतोषी चालीसा
- गंगा चालीसा
- शारदा चालीसा
- ललिता चालीसा
- अन्नपूर्णा चालीसा
- श्री वैष्णो चालीसा
- परशुराम चालीसा
- विन्ध्येश्वरी चालीसा
- ब्रह्मा चालीसा
- शाकम्भरी चालीसा
- राणी सती चालीसा
- गंगाराम चालीसा
- बालक नाथ चालीसा
- मोहन राम चालीसा
- शीतला चालीसा